2020 तक बिट्स दुनिया की श्रेष्ठ यूनिवर्सिटी होगी : डॉ. सरला बिरला

बिरला दंपति के अभिनंदन में उमड़ा जनसैलाब, घोड़ों की बग्गी में हुए शिक्षा नगरी के लोगों से रूबरू, 41 तोरणद्वारों पर हुआ स्वागत

भास्कर न्यूज | पिलानी

बिरला परिवार के पुरोधा पदमविभूषण घनश्यामदास बिरला द्वारा शिक्षा की लगाए गए पौधे को परिवार के सदस्यों ने वटवृक्ष का रूप प्रदान किया है। अब बीके बिरला के पौत्र कुमार मंगलम के नेतृत्व में बिट्स 2020 में दुनिया की श्रेष्ठ यूनिवर्सिटी बन जाएगी।

यह बात शुक्रवार को डॉ. सरला बिरला ने पिलानी नागरिक समिति कोलकाता, मुंबई व पिलानी के नागरिकों द्वारा किए गए अभिनंदन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि पिलानी के लोगो द्वारा किया गया यह सम्मान वे और उनका परिवार हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने प्रवासियों से भी पिलानी से जुड़ने का आह्वान किया तथा इस शिक्षा नगरी को ऊंचाइयों के शिखर पर पहुंचाने में सभी से सहयोग की बात कही। इससे पूर्व शिक्षा नगरी के रूप में पिलानी की अमिट छाप विश्व पटल पर स्थापित करने वाले बिरला परिवार के सदस्य बसंतकुमार बिरला व डा. सरला बिरला का एलएन बिरला प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग केंद्र पर अभूतपूर्व नागरिक अभिनंदन किया गया। अभिनंदन समारोह में किशनकुमार रूंगटा कोलकाता ने सभी का स्वागत किया। सत्यनारायण हलवाई मुंबई, रामअवतार मनीरामका कोलकता, बसंतकुमार सरावगी, रामकुमार बेरीवाला, राजेंद्र प्रसाद डाडा, निर्मला साबू व विमला गोयनका ने शाल ओढ़ाकर व साफा पहनाकर बिरला दंपति का स्वागत किया। सीरी निदेशक डॉ. चंद्रशेखर शर्मा ने अभिनंदन पत्र पढ़ा। डॉ. शर्मा, अशोककुमार तोला, वासुदेव गोयनका मुम्बई व रामअवतार मनीरामका कोलकाता ने उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया।

पिलानी. बग्गी पर सवार बिरला दंपति तथा बिरला दंपति को अभिनंदन पत्र देते डॉ. शर्मा व अन्य।

अभिनंदन समारोह में की शिरकत

अभिनंदन समारोह में झुंझुनूं सांसद शीशराम ओला, पिलानी विधायक सुंदरलाल, सूरजगढ़ के श्रवणकुमार, विद्याविहार पालिकाध्यक्ष राजीवसिंह शेखावत, वासुदेव गोयनका मुंबई, सत्यनारायण हलवाई, श्रवणकुमार मंडेलिया दिल्ली, हर्षवर्धन बिरला चंडीगढ़, रामअवतार गोयनका मुंबई, बजरंगलाल शर्मा मुंबई, चांदमल सरावगी कोलकता, लीलाधर मिश्रा, रामबाबू गोयनका, सुशील सरावगी कोलकाता, अनिल साबू, सुशील ढंढ, किशन साबू, ओमप्रकाश सरावगी, राजेंद्र साबू कोलकता, देवीलाल शाह मुंबई, बिट्स कुलपति बीके जैन, पूर्व कुलपति एलके माहेश्वरी, कर्नल वीएन रत्नाकर, जेसी पांडे, केके पारीक, प्रो. जी रघुरामा, डॉ. पीएस भटनागर, डॉ. वीएन धोलाखंडी, सीपी सरावगी, राधेश्याम जखोडिया, स्वामी ओमपूर्ण स्वतंत्र, बीपीएस प्राचार्य कैप्टेन सैन, कर्नल शोकत अली, बीना सत्येंद्र, सत्येंद्रकुमार, डॉ. एम कस्तूरी, महावीरसिंह पंघाल, डॉ. पीके सहगल, डॉ. आरके जैन, डॉ. हरिसिंह सांखला, मातुराम सैनी, एडवोकेट अनिल कालिया, सुरेश झेरली, नरेश मनीरामका, गजानन मिश्र, डॉ. रामविलास शर्मा, महावीर सोमानी, जाफर धोबी, रमाकांत जखोडिया, डॉ. आर खरे, डा. कैलाश भोमिया, विश्वनाथ भोमिया, जगदीश शर्मा, ललित ढेंढवाल, महेंद्र झाझड़िया, लीलाधर परमार, पृथ्वीसिंह बालापोता, डॉ. पीपी गुप्ता, एसएन व्यास, अजीम खान, महिपालसिंह, नजरू खां, विकास रुंगटा, मनीष, मूर्तिकार मातुराम वर्मा, केशरदेव अग्रवाल, नरेश वर्मा सहित काफी लोग मौजूद थे।